हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार 3 मार्च 2026

11 निरीक्षण के दौरान दांगकलां के स्कूल में 11...

12 अपने सर्वस्व को गुरु को अर्पण कर दो: कंवर साहेब

जुई नहर के पुल पर पार्क जैसा नजारा नजर आएगा

नहर के पुल पर होगी वर्टिकल पार्क की बहार, महकेंगे फूल

पुल से नहर में कचरा फेंकने की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शहर के लोगों के लिए राहत भरी खबर। अगर सिंचाई विभाग ने एनओसी दे दी तो जुई नहर के पुल पर पार्क जैसा नजर आएगा। नगरपरिषद जुई नहर के पुल पर जाली लगाकर वर्टिकल पार्क बनाने की प्रस्तावित योजना तैयार की है। अगर यह योजना सिरे चढ गई तो शहर की सुंदरता तो बढेगी ही साथ ही राह चलते लोग पुल से नहर में कचरा फेंकने की समस्या से भी छुटकारा मिल जाएगा। चूंकि लोगों द्वारा डाला गया कचरा पानी के साथ बह कर जलघरों तक पहुंचता है और वह पानी के साथ मिलकर लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। यदि नप की यह योजना सिरे चढ़ी तो शहर की स्वच्छता को पंख लग जाएंगे। इसके लिए वार्ड संख्या एक के पार्षद सूर्या तंवर ने नप के कार्यकारी अभियंता व सफाई निरीक्षक को साथ ले जाकर मौके का मुआयना करवाया और योजना को अंतिम रूप दिया। इस योजना को सिरे चढाने के लिए अगले एक दो दिनों के बाद ही नप के अधिकारी सिंचाई विभाग के साथ पत्र व्यवहार करेंगे।

भिवानी। नहर के पुल पर वर्टिकल पार्क विकसित करने का खाका तैयार करते हुए व वर्टिकल पार्क का दृश्य। *(फाइल फोटो)*

भिवानी में वर्टिकल पार्क नहीं

नगरपरिषद की योजना के अनुसार पुल के उपर करीब छह फुट ऊंची एक झाली लगाई जाएगी। जाली को रोकने के लिए उसके पीछे लौहें के एंगल आदि भी लगाए जाएंगे। ताकि आंधी व अन्य किसी कारण से जाली न गिर पाए। झाली में अलग अलग रैक बनाए जाएंगे और उन रैकों में छोटे छोटे गमलों में पौधे रोपित होंगे। कुछ दिनों बाद जब पौधे बडे हो जाएंगे तो लोगों को जाली नहीं दिखेगी,बल्कि एक वर्टिकल पार्क नजर आएगा। फिलहाल नप की योजना है कि इन जालियों में जो गमले रखे जाएंगे। उनमें फूलदार पौधे और उसके बाद दूसरी किस्म के भी पौधे लगाए जाने की योजना है। इस तरह पार्क भिवानी में पहला होगा। अब से पहले भिवानी में किसी भी जगह वर्टिकल पार्क नहीं है। पहली बार ही नहर के पुल पर वर्टिकल पार्क बनाया जा रहा है।

इसलिए लिया फैसला

भिवानी शहर के सभी जलघरों को इसी जुई नहर से पानी पहुंचाया जाता है। महीने में करीब 15 दिनों तक उक्त नहर में नहरी पानी बहता है। यहां से गुजरने वाले लोग पूजा आदि की बची हुई सामग्री नहर में फेंक देते है। कुछ तो पानी के साथ बह कर चली जाती है और कुछ सामग्री वहीं पर पड़ी रहती है। पानी के साथ बह कर जाने वाली सामग्री जलघरों तक पहुंच रही है। उसी पानी को लोगों के घरों तक भेजा जा रहा है। जिससे बीमारी आदि फैलने की आशंका बनी रहती है। दूसरी तरह पुल के पास कचरा डाले जाने से नहर में भी गंदगी बढ़ती है। अगर यहां पर जाली लगाकर वर्टिकल पार्क बन गया तो इस समस्या से छुटकारा मिल जाएगा।

कई बार गंदगी पहुंच जाती है जलघरों तक

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व वार्ड संख्या एक के पार्षद सूर्या तंवर ने संयुक्त रूप से बताया कि लोग निकलते या शहर में आते वक्त कचरा डाल देते है। जिससे नहर में कचरा व गंदगी बढती है। कई बार गंदगी बह कर जलघरों तक पहुंच जाती है। जो कि स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। इसकी रोकथाम के लिए एक योजना तैयार की गई है। उसी को लेकर आज नगरपरिषद के कार्यकारी अभियंता जसवंत व सफाई निरीक्षक विकास देशवाल जुई नहर का निरीक्षण किया। योजना के अनुसार उक्त नहर के पुल पर एक जाली लगाकर वर्टिकल पार्क तैयार करने की योजना है। जाली करीब छह फुट ऊंची होगी। ताकि कोई भी राह चलता व्यक्ति नहर में कचरा आदि न डाल सके।

भारतीय जन-जीवन में फागुन का आगमन केवल ऋतु-परिवर्तन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का सक्रिय समय होता है। इस चेतना को अपने अस्तित्व में संजोती, उसमें लोक व्यवहार और परंपराओं को पोसती स्त्री की सहभागिता, फागुन में नव-उमंग को संचारित करती है। इससे घर-परिवार और समाज में जीवंतता का इंद्रधनुषी रंग घुल-मिल जाता है।

फागुन की थाप में स्त्री की भूमिका

आवरण कथा
कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

फागुन वह महीना है, जब प्रकृति में दिखाई देने वाले परिवर्तन, पेड़ों पर बौर, टेसू के फूलों की केसरिया आभा, हवा की गंध, मनुष्य की स्मृतियों और संबंधों को अलग तरह से प्रभावित करते हैं। ऋतु का यह बदलाव बाहरी दृश्य से अधिक आंतरिक अनुभव का विषय बन जाता है। विशेषतः स्त्री के जीवन में फागुन एक साथ स्मृति, अनुभव, सजगता और सहभागिता का समय लेकर आता है। उल्लास की डोर हौले से पकड़ा देता है।

स्पष्ट संकेतों के साथ फागुन का आगमन

प्रकृति के स्तर पर फागुन का आगमन स्पष्ट संकेतों के साथ होता है। हवा में महुए की गंध घुलने लगती है, टेसू के फूल, गेहूं, चने की पकी फसलें, खेतों और बागों को रंग देते हैं, धूप में हल्का सुनहरापन घुल जाता है। यह परिवर्तन केवल दृश्य नहीं, संवेदनात्मक भी होता है। गंध, रंग और ध्वनि मिलकर ऐसा वातावरण निर्मित करते हैं, जिसमें अतीत और वर्तमान का अंतर कम होने लगता है। ढोलक की थाप, फगुआ के गीत और गली-मोहल्लों की चहल-पहल सामूहिकता का आह्वान करती है। यह वह समय है, जब व्यक्ति अपने निजी जीवन से बाहर निकलकर समुदाय का हिस्सा बनता है। एक अपने से दृष्टि हटाकर कुनबे की तरफ देखता है।

सामाजिक भेद से दूर होली का उल्लास

होली के दिन सामाजिक भेद कुछ समय के लिए हल्के पड़ जाते हैं। यह भेद मिटाना केवल खेल के लिए नहीं, प्रतीकात्मक क्रिया होती है। यह बताने के लिए कि सामाजिक ऊंच-नीच, औपचारिकता और दूरी का स्थान उत्सव में सीमित है। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष, सभी एक साथ रंग में भीगते और गले मिलते हैं। ढोलक की थाप और फगुआ के गीत सामूहिक स्मृति को जीवित रखते हैं। लोकगीतों में पीढ़ियों का अनुभव, हास्य, व्यंग्य और जीवन-दृष्टि संचित रहती है। पारंपरिक समाज में वे प्रारंभ में चौखट के भीतर से देखती थीं, पर धीरे-धीरे सहभागिता का दायरा बढ़ता गया।

उम्र के हिसाब से बदल जाता है फागुन का अर्थ

जीवन-चक्र के विभिन्न चरणों में फागुन का अर्थ बदलता है। बचपन में यह केवल खेल और आनंद का समय होता है- पिचकारी, रंग और खुली हंसी। किशोरावस्था में रंगों का अनुभव अधिक संवेदनशील हो उठता है, सामाजिक और शारीरिक चेतना जागृत होती है। विवाह के बाद नए परिवेश में स्त्री को संबंधों की मर्यादाएं समझनी होती हैं, किसके साथ कितनी सहजता उचित है, कहां संयम आवश्यक है। इस प्रक्रिया में वह अपने लिए संतुलित स्थान तय करती है। धीरे-धीरे वह समझती है कि उत्सव में भागीदारी का अर्थ भीड़ में विलीन हो जाना नहीं, बल्कि अपनी गरिमा बनाए रखते हुए शामिल होना है।

रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ आज भी है प्रासंगिक

समकालीन संदर्भ में भी फागुन का महत्व बना हुआ है, यद्यपि स्वरूप में परिवर्तन आया है। शहरी जीवन में सामूहिकता का रूप सीमित हो सकता है, पर रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ अब भी प्रासंगिक है। सम्मान, सहमति और सहभागिता के नए मानक स्थापित हो रहे हैं। इस परिवर्तन में स्त्री की भूमिका अधिक स्पष्ट और मुखर हुई है। वह उत्सव की सहभागी ही नहीं, उसकी दिशा निर्धारित करने वाली भी है। अंततः फागुन एक ऐसा सांस्कृतिक क्षण है, जिसमें प्रकृति, समाज और व्यक्ति का अनुभव एक-दूसरे से जुड़ता है। यह स्मृति को सक्रिय करता है, संबंधों की परीक्षा लेता है और सामूहिकता की भावना को पुनर्स्थापित करता है। स्त्री के संदर्भ में फागुन का महीना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इसमें श्रम, संवेदना, सावधानी और उल्लास, सभी को संतुलित करती है।

केवल रंगों का पर्व नहीं फागुन

यदि उत्सव में आनंद और मर्यादा साथ चलें, तो फागुन केवल रंगों का पर्व नहीं, सामाजिक परिपक्वता का प्रतीक भी बन जाता है। इसी सांस्कृतिक संदर्भ में उत्तर प्रदेश के बरसाना की होली विशेष उल्लेखनीय है। यहां लट्ठमार होली की परंपरा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सामाजिक संवाद है। स्त्रियां लाठियां लेकर पुरुषों पर प्रहार करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उसे खेल भाव से स्वीकारते हैं। यह आयोजन लोकविश्वास से जुड़ा है, जिसमें राधा-कृष्ण की लीलाओं का स्मरण निहित है। यहां स्त्री केवल दर्शक नहीं, सक्रिय केंद्र में होती है। उसकी उपस्थिति उत्सव की धुरी बनती है और प्रतिरोध भी विनोद के भीतर रूपायित होता है। श्रीकृष्ण के रंग-अनुराग का प्रसंग होली के पर्व को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विस्तार देता है। श्रीकृष्ण द्वारा गोपियों पर रंग डालने की कथा केवल राग-रंग का प्रसंग नहीं, बल्कि प्रेम की स्वीकृति और संवाद का प्रतीक है। राधा-कृष्ण की परंपरा में रंग एकतरफा नहीं, प्रत्युत्तर में लौटता है, यह समानता और सहभागिता का सांकेतिक रूप है। इस प्रकार फागुन का सांस्कृतिक अर्थ व्यक्तिगत स्मृतियों से लेकर लोक-परंपराओं और दार्शनिक प्रतीकों तक विस्तृत है। स्त्री की स्मृति, उसकी सजगता और उसकी सक्रिय भागीदारी इस पर्व को पूर्णता देती है।

स्त्री-शक्ति के सात रंग

महिलाओं को सशक्त बनने के लिए अपने जीवन में सशक्तिकरण के प्रतीक ये सात रंग भरने जरूरी हैं। ये रंग कौन से हैं, इनके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

आह्वान
शिखर चंद जैन

महिलाओं को सशक्त बनाना किसी भी समाज-राष्ट्र की प्रगति के लिए सबसे प्रभावशाली कदम है। इसके लिए हर महिला को अपने जीवन में इन सात रंगों को सजाना होगा।

पहचान का रंग

सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी स्वयं को पहचानना है। एक स्त्री को समाज द्वारा तय की गई भूमिकाओं से इतर अपनी एक स्वतंत्र पहचान बनानी चाहिए। पुस्तक, 'आई नो व्हाई द केज्ड बर्ड सिंग्स' की लेखिका माया एंजेलो कहती हैं, 'हमारी पहचान हमारे अतीत से नहीं, बल्कि हमारे चयन से बनती है।'

आर्थिक आत्मनिर्भरता का रंग

आज के दौर में 'फाइनेंशियल फ्रीडम' नारी शक्ति का मुख्य स्तंभ माना गया है। आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिला न केवल अपने परिवार की रीढ़ बनती है, बल्कि देश की जीडीपी में भी योगदान देती है। आर्थिक स्वावलंबन, उद्यमिता और वित्तीय मजबूती ही असली सशक्तिकरण है।

साहस का रंग

इतिहास से लेकर वर्तमान तक, महिलाओं का संघर्ष ही उनके साहस का वास्तविक परिचायक रहा है। चाहे वह झांसी की रानी की ऐतिहासिक वीरता हो या आज की महिला सैनिकों, वैज्ञानिकों और एथलीटों का संघर्ष। साहस, नारी का वह रंग है, जो उसे विपरीत परिस्थितियों में भी टूटने नहीं देता। मुसीबतों के सामने डटे रहना ही नारी शक्ति का सबसे गहरा रंग है।

शिक्षा का रंग

शिक्षा केवल साक्षरता नहीं, बल्कि सोचने का नजरिया देता है। उच्च शिक्षा और तकनीक का ज्ञान महिलाओं को रूढ़िवादिता की बेड़ियों से मुक्त कर उन्हें वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाता है। यह रंग अज्ञानता के अंधेरे को दूर कर तार्किक सोच विकसित करता है।

नेतृत्व क्षमता का रंग

आज के दौर में महिलाएं केवल आदेशों का पालन नहीं करतीं, बल्कि वे नेतृत्व भी करती हैं। कॉर्पोरेट बोर्डरूम से लेकर पंचायतों और संसद तक, महिलाओं की भागीदारी ने यह सिद्ध किया है कि उनमें निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता होती है। हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करके दिखाया है कि महिलाएं केवल घर ही नहीं, बल्कि दुनिया चलाने की क्षमता रखती हैं।

संवेदनशीलता का रंग

अकसर ही संवेदनशीलता को कमजोरी समझा जाता है, लेकिन नारी शक्ति का एक रंग उसकी संवेदनशीलता और भावनाओं में भी छिपा है। एक सशक्त महिला अपने आसपास के परिवेश को अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण बनाने का सामर्थ्य रखती है।

सामाजिक न्याय का रंग

नारीवाद का आधुनिक रंग केवल अपने हक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज में न्याय की स्थापना का रंग है। यह रंग एक न्यायपूर्ण और समतावादी समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है। सशक्तिकरण का यह रंग चुप रहने की परंपरा को तोड़कर बदलाव की आवाज बनने का आह्वान करता है।

होली का त्योहार हर्षोल्लास से भरा होता है। लेकिन रंगों में मौजूद केमिकल्स कई बार आंखों और त्वचा के लिए नुकसानदेह साबित होते हैं। इनसे बचाव के लिए आपको किस तरह की सावधानियां बरतनी चाहिए, बता रहे हैं डिटेल में।

बरतें सावधानी-मनाएं सुरक्षित होली

मेडिकल एडवाइस
डॉ. रॉबिन लोहिया
जनरल फिजिशियन, दिल्ली

बगैर सावधानी बरते और केमिकल वाले रंगों से होली खेलने की वजह से कई लोगों को स्किन और आंखों से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं।

हो सकती हैं ये स्किन प्रॉब्लम्स: आमतौर पर बाजार में बिकने वाले होली के रंगों में लेड, मरकरी, क्रोमियम, कॉपर सल्फेट और इंडस्ट्रियल डाइज होते हैं, जो एलर्जी और इंफेक्शन का कारण बन जाते हैं। रंगों में मौजूद केमिकल्स त्वचा की प्राकृतिक नमी सोख लेते हैं, इससे रूखापन, जलन और खुजली जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। इनकी वजह से लाल चकत्ते, सूजन और फफोले जैसी समस्याएं भी परेशान कर सकती हैं। इससे एक्जिमा, सोरायसिस या एटोपिक डर्मेटाइसिस जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। कुछ रंगों में ऐसे जहरीले तत्व पाए जाते हैं, जिनसे बैक्टीरियल इंफेक्शन का भी खतरा हो सकता है। इनकी वजह से नाखून टूटने और बाल झड़ने की भी समस्या हो सकती है। बच्चों और बुजुर्गों को रंगों से ज्यादा नुकसान पहुंचता है, क्योंकि उनकी त्वचा संवेदनशील और पतली होती है।

बचाव के उपाय: होली के दौरान त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए हल्दी, चुकंदर, अनार, हरसिंगार और पलाश के फूलों से बना प्राकृतिक रंग ही इस्तेमाल करें। बेहतर यही होगा कि इन प्राकृतिक तत्वों को उबाल कर घर पर खुद ही रंग तैयार करें। समय की कमी के कारण अगर ऐसा संभव न हो तो बाजार से रेडिमेड कलर खरीदते समय हर्बल और नेचुरल का लेबल जरूर चेक करें। होली खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल तेल और पेट्रोलियम जैली लगाएं। रंगों के असर से बचाव के लिए बालों में भी तेल लगाएं। ये चीजें त्वचा पर सुरक्षा कवच की तरह काम करती हैं, जिससे रंग त्वचा के भीतर गहराई तक घुस नहीं पाते। चेहरे के अलावा गर्दन और हाथ-पैरों का विशेष ध्यान रखें। होंठों और आंखों के आस-पास जैली लगाना न भूलें। होली खेलने के लिए घर से बाहर निकलते समय शरीर के खुले हिस्सों पर 50 प्रतिशत एसपीएफ पॉवर का सनस्क्रीन जरूर लगाएं, क्योंकि दिन के वक्त रंगों से होली खेलने पर त्वचा में जलन हो सकती है। रंगों से बचाव के लिए हमेशा फुल स्लीव्स की ड्रेस पहनें। नहाने के बाद एलोवेरा जैल या मॉयश्चराइजर लगाएं। खुजली या रैशेज हों तो एंटी एलर्जिक क्रीम लगाएं।

आंखों की ऐसे करें केयर: सूखे रंगों से आंखों के कॉर्निया में खरोंच आ सकती है। रंगों में मौजूद केमिकल्स से आंखों में जलन और खुजली हो सकती है। इसकी वजह से एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस भी हो सकता है। गंभीर मामलों में केमिकल बर्न और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव: अगर कोई आपके चेहरे पर रंग लगा रहा है तो उस वक्त अपनी आंखें बंद कर लें। होली खेलने से पहले सनग्लास पहनना न भूलें। आंखों के चारों तरफ मॉयश्चराइजर या नारियल तेल लगाएं, इससे त्वचा पर रंग नहीं चिपकता है। अगर आंखों में रंग चला जाए तो तुरंत ठंडे पानी धो लें। आंखों को रगड़ें नहीं, इससे रंगों के कण बहुत गहराई से आंखों के भीतर चले जाते हैं। अगर आंखों में जलन हो रही हो तो ल्यूब्रिकेटेड आई ड्रॉप का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होगा। अगर आपकी आंखों में कॉन्टेक्ट लेंस लगा है तो होली खेलने से पहले उसे बाहर निकाल लें। अगर इन प्रयासों के बाद भी जलन कम न हो तो आई स्पेशलिस्ट से सलाह लें। होली खेलते समय बच्चों का विशेष ख्याल रखें। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपके परिवार के लिए यह त्योहार सुरक्षित और खुशियों से भरा होगा।

प्रस्तुतिः विनीता

तब बनेंगी सभी महिलाएं सशक्त-खुशहाल

बदलाव की राह
चैतन्या

महिलाएं समाज को बहुत कुछ देती हैं। परिवार के लिए अपना जीवन अर्पित कर देती हैं। रिश्तों-नातों को सहेजते हुए खुद अपने आप की अनदेखी तक कर देती हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी अपनों की जरूरतों के आगे मन की हर इच्छा को दोयम दर्जे पर रख देती हैं। बहुत सी स्त्रियां करियर छोड़ केवल घर-आंगन तक सिमट जाती हैं। हर भूमिका में स्त्रियां अपनों को भावनात्मक सहारा देती हैं। स्त्रियां आमतौर पर देने वाले पाले में ही रहती हैं। जरूरी है कि समाज, परिवार, रिश्तेदार, मित्र और सहकर्मी उनके लिए भी कुछ करने की सोचें। औपचारिकता भर नहीं बल्कि मन से महिलाओं के जीवन से जुड़े हर पहलू को बेहतर बनाने में हेल्पफुल बनें। याद रहे कि स्त्रियों की इस बेहतरी से समग्र समाज की बेहतरी भी जुड़ी है। इस साल इंटरनेशनल वुमेंस-डे (8 मार्च) की थीम 'गिव टू गेन' है। यह विषय महिलाओं की सहजता के लिए देने या कुछ करने के व्यापक असर पर बल देता है।

समर्थन और सराहना: घर हो या बाहर, स्त्रियां अकसर अकेली पड़ जाती हैं। मुश्किल घड़ी में भी पूर्वाग्रही सोच से ही उनके व्यक्तित्व को आंका जाता है। उनके फैसलों को तयशुदा समझ से जज किया जाता है। ऐसे में स्त्रियों को कुछ देने या उनके लिए कुछ करने की सोच समर्थन या सराहना के बिना अधूरी है। ऐसे में महिला दिवस की थीम 'गिव टू गेन' सभी को अपने विचार-व्यवहार का रिव्यू करने का आह्वान करती है। वर्कप्लेस से लेकर घर के आंगन तक, स्त्रियों के प्रति उदार बनने का संदेश देती हैं। उनकी भूमिका और भागदौड़ की सराहना करने की सोच जगाने वाली है।

संसाधन और सुरक्षा: महिलाओं के लिए हालात कई मोर्चों पर उलझाऊ हैं। कहीं काम करने के अवसर हैं तो सुरक्षित माहौल नहीं। जहां सेफ्टी है वहां सही अवसर नहीं हैं। नई शुरुआत के लिए जगह हो या धन, अपनी मर्जी से उपयोग कर लेने के हालात आज भी आम नहीं हैं। यही वजह है कि 'गिव टू गेन' का भाव संसाधन और सुरक्षा के मामले में आवश्यक है। इसीलिए महिलाओं को सुरक्षा और संसाधन दीजिए, ताकि वे अपनी काबिलीयत को सिद्ध कर सकें। थोड़े से सहयोग और अपनी योग्यता के बूते नवाचार करने वाली महिलाएं समाज-परिवार ही नहीं राष्ट्र को भी सशक्त बनाती हैं।

शिक्षा और समानता: बेटियों को बेटों के समान ही पढ़ने-लिखने का हक और माहौल देना तरक्की की साझी सोच की बुनियाद है। इस वर्ष की थीम असल में 'मेरा' से 'हमारा' के विचार को अपनाने पर बल देने वाली है। यह विषय कहता है कि इक्वेलिटी का वह परिवेश बने जिसमें समय, सहानुभूति और खुद को साबित करने का मौका सभी के हिस्से आए। हमारे यहां महिलाओं के साथ आज भी कार्यस्थल पर समान व्यवहार नहीं किया जाता। घरेलू जिम्मेदारियों को अकेले ही उठाने के चलते कामकाज के सही मौके उनकी झोली में नहीं आते। ऐसे में सभी के लिए बहुत जरूरी है कि बहू-बेटियों को बराबरी के अवसर देते हुए खुलकर जीने का स्पेस दें।

बीते कुछ दशकों में स्त्रियों के जीवन में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। संघर्ष से शुरू हुई उनकी यह यात्रा अब सृजन के नित नए आयाम गढ़ रही है।

बदलता स्त्री-जीवन संघर्ष से सृजन की यात्रा

नया दौर
अलका 'सोनी'

समकालीन समय में स्त्रियों का जीवन बहुआयामी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इसे हर जगह देखा और महसूस किया जा सकता है। यह सुखद परिवर्तन केवल स्त्री की बदलती बाहरी भूमिकाओं में ही नहीं, बल्कि मानसिकता, आत्मविश्वास और आत्मस्वीकृति का भी है। आज की स्त्री घर की चारदीवारी से निकलकर कार्यस्थलों, राजनीति, विज्ञान, साहित्य और कला जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। परंतु परिवर्तन की उनकी इस यात्रा में संघर्ष, संतुलन और आत्मसंवाद की लंबी प्रक्रिया शामिल होती है। जिसे पार करते हुए वे आज अपनी सफलता की कहानी खुद ही बयां कर रही हैं।

सपनों की नई परिभाषा: पहले स्त्री के सपनों को परिवार की अपेक्षाओं के अनुरूप आकार दिया जाता था। वे जिम्मेदारियों से लदी नजर आतीं थीं। उनके लिए, अपने बारे में सोचना जैसे निषिद्ध था। लेकिन आज वे अपने सपनों को स्वयं परिभाषित कर रही हैं।

शिक्षा ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करना चाहती हैं, चाहे वह करियर का चयन हो, विवाह का निर्णय हो या मातृत्व का समय।

जिम्मेदारियों का दोहरा दायित्व: हालांकि परिवर्तन के इस दौर में स्त्री पर जिम्मेदारियों का भार बढ़ा ही है। घर और बाहर के बीच 'वर्क-पर्सनल लाइफ बैलेंस' उनके लिए रोज का अभ्यास है। यह दोहरा दायित्व कई बार मानसिक दबाव उत्पन्न करता है, किंतु यही दबाव उसे अधिक संगठित, संवेदनशील और दृढ़ भी बनाता है।

डिजिटली भी हैं एक्टिव: हमेशा से चुप और सिमटी रहने वाली स्त्रियों को सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों ने अभिव्यक्ति का नया माध्यम दिया है। अब उनकी आवाज सीमित दायरे तक नहीं रहती। उनकी गूंज हर तरफ सुनाई देती है। वे अपने अनुभव, विचार और रचनात्मकता को व्यापक रूप से समाज तक पहुंचा सकती हैं। इससे एक सामूहिक चेतना का निर्माण हो रहा है, जहां स्त्रियां एक-दूसरे के संघर्ष और उपलब्धियों से प्रेरणा लेती हैं। उनके सामने जानकारियों का एक नया संसार खुल रहा है। हालांकि अब भी यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि सब कुछ बदल गया है। लैंगिक असमानता, कार्यस्थल पर भेदभाव, घरेलू हिंसा और रूढ़िगत सोच अब भी मौजूद हैं। लेकिन आशा की किरण यह है कि अब स्त्री इन चुनौतियों को नियति मानकर स्वीकार नहीं करती। वह समाधान खोजती है और आवाज भी बुलंद करती है।

खबर संक्षेप

गोशाला अनुदान से वंचित ना रहें : डीसी

चरखी दादरी। सरकार और हरियाणा गोसेवा आयोग के नियमों के अनुसार जिले में कोई भी रजिस्टर गोशाला अनुदान से वंचित ना रहे और गोशाला को उनकी जरूरत के अनुसार संसाधन उपलब्ध करवाएं। किसी भी पात्र गोशाला में कोई भी कमी ना रहे। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने जिला स्तरीय पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस समिति का मुख्य उद्देश्य पशुओं के अधिकारों की रक्षा करना और उनके प्रति होने वाली क्रूरता को रोकना है।

समाधान शिविर में डीसी ने सुनीं जन शिकायतें

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा है कि जिला व उपमंडल स्तर पर सोमवार व गुरुवार को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक नियमित रूप से समाधान शिविर का आयोजन कर आमजन की प्रत्येक समस्या का समाधान किया जा रहा है। सोमवार को उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल की अध्यक्षता में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनी। डॉ नागपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों के आधार पर संबंधित विभाग तत्काल कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

पुलिस ने चलाया ऑपरेशन आक्रमण

चरखी दादरी। जिले में बढ़ते अपराधों को देखते हुए दादरी पुलिस ने ऑपरेशन आक्रमण चलाकर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। सोमवार सुबह पुलिस ने आयोजित छापों और त्वरित पेट्रोलिंग से अभियान को अंजाम दिया। दोपहर बाद तक चले आपरेशन आक्रमण के तहत 08 मामले दर्ज करते हुए विभिन्न अपराधों में संलिप्त 10 आरोपितों व 03 उद्घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस की 20 टीमों ने संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी।

निरीक्षण के दौरान दांगकलां के स्कूल में 11 शिक्षक और गैर शिक्षक स्टाफ मिले नदारद

डीपीसी तंवर ने नोटिस भेज तीन दिन में मांगा स्पष्टीकरण, स्पष्टीकरण न देने की स्थिति में आगामी कार्रवाई के चेतावनी

डीपीसी के औचक निरीक्षण से अन्य स्कूलों में मचा हड़कंप, लापरवाह शिक्षकों मे भय का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। बच्चों की प्रार्थना के दौरान मौजूद डीपीसी शिवक

समग्र शिक्षा के जिला परियोजना संयोजक शिवकुमार तंवर सोमवार को सुबह 7 बजकर 55 मिनट पर दांगकलां के राजकीय उच्च विद्यालय में औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। इस दौरान स्कूल में 10 शिक्षकों में से मात्र एक शिक्षक व एक चपड़ासी ही मौजूद था। डीपीसी तवंर ने निरीक्षण के दौरान पाया कि स्कूल के नौ शिक्षक, एक कलर्क व एक स्वीपर अनुपस्थित पाए गए। वहीं उपस्थिति रजिस्टर में डीडीओ सुरेंद्र के तीन दिन के खाने खाली पाए गए। डीपीसी स्कूल में आठ बजकर 10 मिनट तक रहे, लेकिन इस दौरान कोई भी अनुस्थित स्टाफ स्कूल में नहीं पहुंचा। मात्र एक शिक्षक व एक चपड़ासी की स्कूल में विद्यार्थियों की प्रार्थना करवा रहे थे।

समग्र शिक्षा के जिला परियोजना संयोजक शिवकुमार तंवर सोमवार को औचक निरीक्षण के लिए सात बजकर 55 मिनट पर दांगकलां के राजकीय उच्च विद्यालय में पहुंचे। इस दौरान स्कूल में मात्र एक अध्यापक व एक चपड़ासी ही मौजूद मिला, जिन्होंने बच्चों की प्रार्थना करवाई। निरीक्षण के दौरान डीपीसी तंवर ने पाया कि स्कूल में उपस्थिति रजिस्टर में डीडीओ सुरेंद्र के पिछले तीन दिन के खाने खाली पड़े थे और आठ बजकर 10 मिनट तक डीडीओ सुरेंद्र, टीजीटी अंग्रेजी सोनू कुमारी, टीजीटी शारीरिक शिक्षा जीतपाल, टीजीटी विज्ञान सुभाष, टीजीटी गणित रोहताश, टीजीटी संस्कृत राजेश, जेबीटी रविंद्र, जेबीटी मुकेश, जेबीटी कांता, कलर्क राजकुमार व स्वीपर जगवंती स्कूल में नहीं पहुंचे। डीपीसी तंवर ने स्कूल के 11 शिक्षक व गैर शिक्षक स्टाफ के अनुपस्थित रहने व तीन दिन के खाने खाली छोड़े जाने के बारे में डीडीओ व उनके स्टाफ सदस्यों का तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण मांगा हैं, ताकि आगामी कार्रवाही अमल में लाई जा सकें। डीपीसी तंवर के औचक निरीक्षण एवं कार्रवाई से स्कूलों में शिक्षक व गैर शिक्षक स्टाफ में हड़कंप मच गया। इसके बाद साढे आठ बजे डीपीसी तंवर गांव सागवान के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे, सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित पाए। डीपीसी तंवर ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय सागवान के कक्षा तीन के विद्यार्थियों के निपुण लक्ष्यों की जांच भी की।

राजपुरा खरकड़ी स्कूल में साफ सफाई का मिला अभाव, मांगा स्पष्टीकरण

इसके पश्चात साढ़े नौ बजे जिला परियोजना संयोजक शिवकुमार तंवर ने राजपुरा खरकड़ी के राजकीय प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के कक्षा कक्ष व टॉयलेट में में साफ-सफाई का अभाव मिला, जिसके बारे में मुख्याध्यापिका से अपनी स्थिति स्पष्ट करने बारे का भी स्पष्टीकरण मांगा गया। डीपीसी ने बताया कि विद्यालय में स्वीपर होने के बावजूद सफाई व्यवस्था ठप मिली और शौचालयों में बदबू व गंदगी पाई गई। उन्होंने कहा कि इस तरह के निरीक्षण अब सुचारू रूप से चलते रहेंगे, ताकि विद्यालय में लचर हो रही व्यवस्थाओं में सुधार किया जा सके। वहीं अपने कार्य में लापरवाही करने वाले शिक्षकों व गैर शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकें।

न्यूज डायरी

सीबीएलयू में मनाया होली मिलन कार्यक्रम

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. जितेंद्र भारद्वाज की मौजूदगी में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर कुलपति धर्माणी ने कहा कि होली एवं फाग का पवित्र त्योहार हमें सौहार्द, प्रेम एवं आपसी भाईचारे का संदेश देता है। रंगो का त्योहार खुशहाली, समृद्धि एवं उल्लास का प्रतीक है। धर्माणी ने सभी कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से ग्रीन होली मनाने एवं जल संरक्षण का आह्वान किया। कुलसचिव भारद्वाज ने कहा कि होली पर्व को हम सब मिल जुलकर प्यार प्रेम के साथ मनाएं। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को रंगोत्सव होली एवं फाग की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

शादी की 50वीं वर्षगांठ पर परिवार मिलन समारोह

भिवानी। हनुमान ढाणी निवासी पर्यावरण प्रेमी जेई रामजीलाल की 50वीं शादी वर्षगांठ पर परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया। परिवार मिलन समारोह में उपस्थितजनों ने उनके लंबे व सुखद जीवन की कामना की। इसके साथ-साथ पर्यावरण क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से प्रेरित होकर अधिक से अधिक पौधे लगाने व उनकी देखरेख करने का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के सदस्य व एक विचार-एक सोच मंच के संरक्षक धर्मवीर सिंह नागर ने भी पर्यावरण संरक्षण व जल संरक्षण को लेकर मंच द्वारा चलाए जा रहे अभियान से अवगत करवाया। जेई रामजीलाल ने कहा कि जिस प्रकार से जीवन साथी के बिना मनुष्य अधुरा होता है उसी प्रकार पेड़-पौधों के बिना प्रकृति अधूरी है, इसलिए हमें आपस में मिलजुलकर रहना चाहिए।

पूर्व सैनिकों ने गले मिल खुशियों को किया सांझा

भिवानी। भारतीय सेना की वीरता एवं समर्पण की प्रतीक 102 इंफेंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) पंजाब ने अपना 58वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। कोंट रोड स्थित गार्डन में आयोजित समारोह में पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। स्थापना दिवस पर पूर्व सैनिकों ने एक साथ मिलकर अपनी पुरानी यादें ताजा की। पूर्व सैनिकों ने एक-दूसरे के गले लगकर और हाथ मिलाकर अपनी खुशियों को सांझा किया। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह से देशप्रेम और आपसी भाईचारे के रंग में रंगा हुआ नजर आया। समारोह में बटालियन के कई वरिष्ठ व सम्मानित पूर्व अधिकारियों ने हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य रूप से पूर्व कैप्टन सुधीर, सुबेदार प्रकाश, सूबेदसार सतीश, सूबेदार दया, हवलदार धर्मवीर, संदीप, सुरेंद्र, विरेंद्र, वीरसिंह, संजय सहित कई अन्य पूर्व जांबाजों ने भी कार्यक्रम में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करवाई। समारोह के दौरान पूर्व सैनिकों ने बटालियन के गौरवशाली इतिहास और देश की रक्षा में दिए गए बलिदानों को याद किया। कार्यक्रम का समापन जय हिंद के जोशीले नारों के साथ ।

बीके. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया

बवानीखेड़ा। बीके. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बवानीखेड़ा में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय विभिन्न रंगों में रंगा हुआ दिखाई दिया। विद्यार्थियों के द्वारा रंगों एवं फूलों से होली खेलने का आनंद उठाया गया।सबसे पहले विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक वर्ग को होली की शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए होली का त्योहार मनाने का कारण बताया। उन्होंने बताया कि कोई भी त्योहार मनाने के पीछे वैज्ञानिक कारण और पौराणिक कथाएं रही हैं। होलिका का दहन वास्तविकता में हमारे अंदर की बुराइयों, विषमताओं और नकारात्मकता का दहन होता है।

कन्या खो-खो में लोहारू ब्लॉक ढिगावा और वालीबॉल में कैरू देवराला प्रथम

भिवानी। भीम स्टेडियम में मेरा युवा भारत केंद्र भिवानी खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का समापन हुआ। यह स्पर्धा जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव व लेखाकार एवं कार्यक्रम सहायक जितेन्द्र सैनी के मार्गदर्शन हुई। कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्यतिथि भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, धीरज शर्मा, सचित शेखावत, राज्य पुरस्कार विजेता दीपा तंवर रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र,शील्ड और मेडल खेल किट प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर कन्या खो खो प्रतियोगिता में लोहारू ब्लॉक के ढिगावा व वालीबॉल में कैरू ब्लॉक के देवराला की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया।

गर्ल्स खो खो में लोहारू ब्लॉक के ढिगावा की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं दूसरे स्थान पर कैरु ब्लॉक रहा। वहीं वॉलीवाल में कैरू ब्लॉक के देवराला की टीम प्रथम व मितथल की टीम दूसरे स्थान पर रही। शॉट फुट में मितथल के हितेश ने गोल्ड तथा शशि सिल्वर मेडल जीता। लड़कियों में शोभना को गोल्ड मेडल, शिमरन को सिल्वर मेडल मिला।

आज के युवाओं का बदल गया चरित्र

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के स्वास्थ्य विभाग में स्वास्थ्य निरीक्षण प्रेम कुमार ठकराल के निवास स्थान पर परमपिता परमात्मा ईश्वरीय विश्वविद्यालय उपकेन्द्र बवानी खेड़ा की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम व्यवस्था प्रबंधक केशव ठकराल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बीके रेनू दीदी, बीके मीनू, बीके सूबसिंह ने शिव की महिमा के बारे बताया कि सभी धर्म इसे मानते हैं। वहीं उन्होंने बताया कि आज के युवाओं का चरित्र बदल गया है उन्होंने बताया कि पहले ज्वाइंट परिवार होते थे और सभी बैठकर खाना-पीना और सुखदुख में शामिल होते थे लेकिन आज ऐसा नहीं है। बच्चों में संस्कार नहीं है।

हिंदू सम्मेलन में पंच परिवर्तन, एकता एवं राष्ट्र जागरण का लिया संकल्प

भिवानी। जिले में 22 विभिन्न स्थानों पर आयोजित हिंदू सम्मेलनों में पंच परिवर्तन की प्रभावशाली गूंज सुनाई दी। कार्यक्रमों में हिंदुत्व, हिंदू एकता एवं सामाजिक चेतना पर विस्तार से विचार रखे गए। वक्ताओं ने पंच परिवर्तन के अंतर्गत सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी को बढ़ावा तथा नागरिक कर्तव्यों के पालन को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्ष की प्रेरक यात्रा, सेवा गतिविधियों और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर भी प्रकाश डाला। यहां शिक्षाविद डॉ. लक्ष्मीनारायण मुख्य वक्ता रहे, जबकि महंत युगल किशोर और महंत नरेंद्र गिरी महाराज ने धार्मिक संदेश दिया। महाराजा अग्रसेन बस्ती में फ्रेंड्स कालोनी स्थित शिव मंदिर में सम्मेलन हुआ। डॉ. ईश्वर और पंडित कुलदीप ने संबोधित किया। लेघां हेतवान की सामान्य धर्मशाला में शिक्षाविद रमेश सांगा ने विचार रखे, वहीं महंत राजनाथ व रणबीर इंस्पेक्टर ने भी संबोधित किया। कैरू की रमणगिरी धर्मशाला में सामाजिक कार्यकर्ता सचिन ने पंच परिवर्तन को अपनाने का आह्वान किया।

होली पर्व पर स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

भिवानी। सोमवार को आर. पी. एस. ग्रुप ऑफ स्कूल भिवानी में होली त्योहार के उपलक्ष्य में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। स्कूल सी.ई.ओ. मनीष राव, स्कूल संचालक सत्यनारायण मित्तल, रामचन्द्र मित्तल, ज्ञानीराम मित्तल, प्रेमलता सर्राफ, अमन गर्ग, दिव्या गर्ग के द्वारा दीपज्योति प्रज्वलित करके आयोजन का शुभारंभ किया गया। आयोजन में जे.सी.आई. के सदस्यगण: विवेक-निशा अग्रवाल, विकास-शालिनी अग्रवाल, विकास-शिव गुप्ता, आदित्य-रितु मित्तल, राजीव मित्तल, सचिन तायल,रमन जैन,महेश,सारिका, मनीषा, श्वेता मित्तल,दीपक-शिवानी अग्रवाल,अमित-ओजस्वी गुप्ता,मोहित-ऋतिका गोयल,स्कूल के बच्चों व अभिभावकगण को सम्मानपूर्वक निमंत्रित किया गया।

जिलेभर में अनेक जगहों पर हुआ होलिका पूजन

भिवानी। सोमवार को जिलेभर में होली पूजन किया गया और भक्त पर अत्याचार करने पर होलिका का दहन कर बुराई पर अच्छाई जीत का संदेश दिया। भिवानी शहर में खाकी बाबा मंदिर के सामने, नेहरू पार्क के पास, पुराना बस स्टैंड, कीर्ति नगर, विद्या नगर, शिव नगर कॉलोनी, नूनसर जोहड़ क्षेत्र, हालुवास गेट, हनुमान गेट, हनुमान ढाणी, कोंट रोड, ढाणा रोड, भारत नगर, एमसी कॉलोनी, विकास नगर, नई बस्ती, सेक्टर 13 व 23 सहित अनेक जगहों पर होलिका पूजन किया।

समाज को नई दिशा देने वाले विचार सांझा किए

भिवानी। छोटी काशी में होली पर्व पर स्वामी रामतीर्थ हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति ने हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया। श्रीदक्ष प्रजापति पार्क, नूनसर झील, हालुवास गेट में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर श्रीसनातन संस्कृति और एकता का परिचय दिया। सम्मेलन के संयोजक अंकुर ने बताया कि आयोजन वृहद राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है। भिवानी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 36 सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में पहुंचे प्रबुद्ध संतों ने समाज को नई दिशा देने वाले विचार सांझा किए। महंत बंसीगिरी महाराज ने कुटुंब और संयुक्त परिवार की महत्ता पर बल दिया।

बाबा मुंगीपा महाराज का बखूबी गुणगान किया

तोशाम। तोशाम की बाबा मुंगीपा पहाड़ी की तलहटी में स्थित बाबा मुंगीपा धर्मशाला प्रांगण में रविवार देर रात्रि बाबा मुंगीपा महाराज का विशाल जागरण व भंडारा आयोजित किया गया। भंडारे में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने बाबा मुंगीपा का प्रसाद ग्रहण किया वहीं जागरण के दौरान लोक गायक कलाकारों ने अपनी मधुर वाणी से बाबा मुंगीपा महाराज का बखूबी गुणगान किया। महंत नन्हाराम महाराज ने अतिथियों का बाबा मुंगीपा के नाम का दुपट्टा ओढ़ाया।

सम्मेलन में सामाजिक एकजुटता का परिचय दिया

तोशाम। तोशाम क्षेत्र के मंडल छपार रांगडान में आयोजित हिंदू सम्मेलन में आसपास के सात गांवों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर सामाजिक एकजुटता का परिचय दिया। कार्यक्रम में मंच पर साध्वी मीणा महाराज और मास्टर आत्माराम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन के संयोजक सरपंच पवन छपारिया के नेतृत्व में आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद मास्टर ने हिंदुत्व, सामाजिक एकता और पंच परिवर्तनके विषय पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व केवल एक धर्म नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्यों की पहचान है।

त्याग और तपस्या की कहानी है फिल्म शतक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थापना के 100 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में निर्मित बहुचर्चित फिल्म शतक का सोमवार को स्थानीय सनसिटी सिनेमा में भव्य प्रदर्शन किया गया।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के लिए आयोजित किए गए इन विशेष शो के दौरान सिनेमा हॉल भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक और जिला प्रवक्ता विनोद चावला ने फिल्म की सराहना करते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में संघ के योगदान पर अपने विचार साझा किए। फिल्म देखने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कहा कि शतक मात्र एक फिल्म नहीं, बल्कि उन लाखों स्वयंसेवकों के त्याग और तपस्या की कहानी है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन बोया गया एक छोटा सा बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। यह फिल्म दर्शाती है कि कैसे संघ ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी विचारधारा को जीवित रखा और अखंड भारत के सपने को संजोया। आज की युवा पीढ़ी को यह फिल्म अवश्य देखनी चाहिए ताकि वे जान सकें कि राष्ट्र प्रथम की भावना क्या होती है। जिला प्रवक्ता विनोद चावला ने फिल्म के तकनीकी और वैचारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

अनियमितताओं और घोटालों पर की चर्चा

भिवानी। दिनोद गेट स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में प्रबुद्ध नागरिकों की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें श्री हरियाणा ब्रह्मचारी आश्रम में चल रही कथित अनियमितताओं और घोटालों पर गंभीर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता 13 धामाण खाप के प्रधान सुरेश कौशिक ने की और मंच का संचालन रामकिशन शर्मा (आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त) द्वारा किया गया। पूर्व गिरदावर सत्यनारायण शर्मा, रामकिशन शर्मा और लीलूराम ने बताया कि आश्रम के संबंध में प्रशासन द्वारा की गई जांच के निष्कर्ष साझा किए। 29 अक्तूबर 2025 को नवीन कुमार सीटीएम भिवानी द्वारा की गई जांच में स्पष्ट रूप से लिखा गया है।

ग्रीन बेल्ट बनी कूड़ादान

पूर्व जिला मान ने प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा

भिवानी। दुर्दिनों के दौर से गुजर रही ग्रीन बेल्ट का दृश्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सैक्टर-23 की मुख्य सडक़ पर प्रस्तावित ग्रीन बेल्ट का मुद्दा अब गरमाता जा रहा है। पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने इस मामले में प्रशासन और नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने समाधान शिविर में कार्य रुकने की शिकायत की है, बल्कि इसमें बड़े भ्रष्टाचार और सरकारी संपत्ति की चोरी का आरोप भी लगाया है। ईश्वर सिंह मान ने कहा कि हुडा सेक्टर 23 की यह मुख्य सडक़ बेहद महत्वपूर्ण है। यह सडक़ शहीद सरदार भगत सिंह चौक से लठिया वाला जोहड़ होते हुए महम रोड को जोड़ती है। दूसरी तरफ, यह भगत सिंह चौक से मेला ग्राउंड, बीपीएस स्टेडियम और एचएसईबी होते हुए सेठ धानू राम चौक (हांसी रोड) तक जाती है। यह मार्ग एयर-स्ट्रिप और मिनी सचिवालय को भी सीधा जोड़ता है। मान ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि इतने महत्वपूर्ण और वीआईपी रोड पर बनी ग्रीन बेल्ट को कूड़ादान में तब्दील कर दिया गया है।

लाइनपार स्कूल खोले जाने की मांग को लेकर सांसद को सौंपा मांगपत्र

भिवानी। कन्या स्कूल खोले जाने की मांग को लेकर सांसद को ज्ञापन सौंपते हुए।

- सांसद धर्मवीर सिंह ने दिया कन्या विद्यालय बनवाने का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) रेलवे लाइन पार क्षेत्र के लोगों ने भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह से उनके निवास पर मुलाकात की। संस्था के पदाधिकारियों ने होली के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

प्रधान सुरेंद्र राणा ने बताया कि रेलवे लाइन पार क्षेत्र से हजारों लड़कियां प्रतिदिन रेलवे लाइन पार करके शहर के स्कूलों में पढ़ने के लिए आती हैं। रेलवे लाइन पार क्षेत्र में एकमात्र सरकारी स्कूल आठवीं तक है जिसमें दो स्कूलों को मर्ज करके लगभग 800 बच्चे दो शिफ्ट में पढ़ने आते हैं, लेकिन स्कूल की बिल्डिंग बिल्कुल जर्जर हो चुकी है। जो केवल 400 गज के आसपास जमीन पर बनी हुई है जो पहले बीईओ कार्यालय हुआ करता था और बच्चों को प्रार्थना तथा खेलने के लिए कोई जगह उपलब्ध नहीं है। लोगों ने बताया कि इस क्षेत्र में कोई भी सरकारी कन्या विद्यालय नहीं है। मजबूरन बच्चों को रेलवे लाइन पार करके स्कूल में जाना पड़ रहा है। रेलवे लाइन पार करते वक्त हमेशा दुर्घटना घटने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बताया कि बीडीपीओ कार्यालय के पास जिला परिषद की करीब तीन एकड़ भूमि पड़ी है। उस जगह पर लोग अवैध कब्जे जमाए बैठे है। उनको हटवा कर वहां पर कन्या स्कूल बनवाया जा सकता है। पार्षद संदीप यादव ने बताया कि रेलवे पुलिस द्वारा बच्चों का रेलवे लाइन पार करना बंद कर दिया गया है। इससे बच्चों तथा अभिभावकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बीके. शिक्षण महाविद्यालय में बच्चों ने फूलों से होली खेली

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा स्थित बी. के. शिक्षण महाविद्यालय में रंगों का पावन पर्व होली बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। महाविद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. रविंदर राठी के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि होली प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारे का प्रतीक है तथा सभी को सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल होली मनानी चाहिए। इस अवसर पर शिक्षण स्टाफ के सदस्य कृ डॉ. अंकित गोयल, डॉ. साक्षी, सुश्री हर्ष, डॉ. शर्मिला, श्रीमती श्वेता भारद्वाज एवं श्रीमती कपिला वशिष्ठ कृ उपस्थित रहे और विद्यार्थियों के साथ उत्सव में सहभागिता की। गैर-शिक्षण स्टाफ के सदस्य मनीष शंकर, प्रमोद बंसल एवं प्रदीप कुमार ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। विद्यार्थियों द्वारा होली गीतों और नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई।

समस्या किसान सभा व ग्रामीणों ने समाधान शिविर में उठाया पेयजल संकट का मुद्दा

गांव बामला, फुलपुरा, नौरंगांबाद और सिरसा घोघड़ा में गहरा पेयजल संकट

गांव के दोनों वाटर वर्क्स सूखे पड़े हैं। वहीं अन्डर ग्राउंड वाटर पीने लायक नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अखिल भारतीय किसान सभा, बामला प्रथम व द्वितीय की पंचायतों के संयुक्त प्रतिनिधिमण्डल ने बामला प्रथम, द्वितीय, फुलपुरा, नोरंगाबाद व सिरसा घोघड़ा में पीने के पानी की समस्या का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने समाधान शिविर में उपायुक्त के समक्ष पेयजल संकट के बारे में अवगत करवाया। संगठनों की तरफ से करतार ग्रेवाल, कामरेड ओमप्रकाश, जगबीर ग्रेवाल व समुन्द्र सिंह ने कहा कि बामला गांव

के दोनों वाटर वर्क्स सूखे पड़े हैं, उनके फुलपुरा माइनर जो दादरी फीडर से जुड़ा हुआ है और नौरंगाबाद माइनर भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी से जुड़ा हुआ है। पिछले एक महीने से पानी नहीं आ रहा है। गांव के दोनों वाटर वर्क्स सुखे पड़े हैं। वहीं अन्डर ग्राउंड वाटर पीने लायक नहीं है, इसलिए बामला, फुलपुरा, नौरंगाबाद व सिरसा घोघड़ा में भंयकर जल संकट बना हुआ हैं।

टैंकर मंगवाकर काम चला रहे लोग

पेयजल सकंट के चलते ग्रामीण अपने पैसे से टैंकर मंगवाकर काम चला रहे हैं। इसी तरह एक वर्ष पहले बामला प्रथम में बिरही तालाब के पास अनुसूचित बस्ती में पेयजल लाइन डाली गई थी, उसका कन्केशन बामला के काली माई मंदिर के पास से जोड़ा नहीं जा रहा है, क्योकि रोहतक भिवानी रोड पर बामला में रोड के नीचे से लाइन जुड़ेगी और इसके लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग पिछले एक वर्ष से नैशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया से इजाजत नहीं ले रहा है। दोनों मुद्दों को किसान सभा व ग्रामीणों ने समाधान शिविर में उपस्थित एसडीएम महेश कुमार के सामने उठाया। उन्होंने तुरन्त विभाग के अधिकारी रवि ग्रेवाल को आदेश दिया कि वे दोनों मुद्दों वाटर वर्क्स में पानी भरवाने व अनुसूचित जाति की बस्ती में कन्केशन जुड़वाने का कार्य शीघ्र करवाएं इसके बाद बामला की पंचायत जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता सुनील रंगा से भी मिली और उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी समस्या का शीघ्र समाधान करवाया जाएगा। ओमप्रकाश ने कहा कि उपरोक्त गांव के अलावा कायला, बडाला, सांगा, उमरावत, धारेडू व मानहेरू में भी भंयकर जल संकट है।

प्रदेश के बजट को सत्ता पक्ष ने सराहा तो विपक्ष ने बिसराया

भाजपा ने बजट को जनहितैषी व विकासोन्मुखी बताया तो विपक्ष व व्यापारियों में दिखी निराशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सोमवार को सीएम नायाब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट से किसी वर्ग को फायदा हुआ तो कोई बजट से आहत हुआ है। विपक्षी पार्टी के नेताओं ने बजट को केवल आंकड़ों का खेल बताया,जबकि सता पक्ष के नेताओं को बजट को प्रदेश के विकास को गति देने वाला बताया। उनका तर्क है कि बजट में बनाई गई योजनाओं के लागू होते ही प्रदेश का विकास का पहिया अपने आप गति पकड़ लेगा। प्रदेश का चहुमुखी विकास होगा। सता पक्ष ने बजट को एक बेहतरीन व सभी वर्गों को फायदा देने वाला बताया। सत्ता पक्ष ने कहा कि इस बजट से प्रदेश में विकास के नए द्वार खुलेंगे।

करोड़ लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब

मुख्यमंत्री ने 2,23,658.17 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 10.28 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विशेष मिशन, हांसी को आधुनिक जिला के रूप में विकसित करना, तोशाम में आईएमटी बनाने जैसे सराहनीय प्रावधान किए गए हैं। यह बजट करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिबंब है। जिनसे ना केवल आम आदमी का जीवन स्तर सुधरेगा, बल्कि प्रदेश के विकास को भी गति मिलेगी। इस बजट में किसानों के लिए अलग बिजली वितरण कंपनी की स्थापना की गई है।

-विरेंद्र कौशिक , भाजपा जिला अध्यक्ष

किसानों को निराशा हाथ लगी

सोमवार को हरियाणा विधानसभा में जो बजट पेश किया गया इसमें किसानों ,खिलाड़ियों और युवाओं को निराशा हाथ लगी है। बजट में किसानों के आर्थिक रूप से मजबूती मिले, इसके लिए कोई मदद या बजट का प्रावधान नहीं किया गया है। इसी तरह खिलाड़ियों व युवाओं के विकास व रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए कोई योजना का खुलासा नहीं हुआ है।

-कमल सिंह प्रधान , युवा कल्याण संगठन संरक्षक

आधारभूत ढांचा सुदृढ़ होगा

हरियाणा सरकार द्वारा पेश बजट पारदर्शी, समावेशी, उन्नत खेती और प्रदेश के विकास को गति देने वाला बजट है। इस बजट की योजनाओं से प्रदेश का आधारभूत ढांचा सुदृढ़ होगा और यह पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला बजट सिद्ध होगा। बजट में कृषि क्षेत्र में एआई तकनीक के नवाचार और उपज के लिए बाजार की उपलब्धता से किसान और खेती के लिए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। किसानों के दिन फिरेंगे । अब खेती घाटे का सौदा नहीं रहेगी।

-हनुमान शर्मा , भाजपा नेता

आम आदमी को मिलेगी राहत

बजट किसान, मजदूर, व्यापारी सहित आम आदमी को राहत देने वाला है। नवाचार और एआई जैसी उन्नत तकनीकों से कृषि क्षेत्र को जोड़ा गया है जिससे इस क्षेत्र में नई क्रांति आएगी। उद्योगों के लिए निर्यात बीमा पॉलिसी नवीकरण योजना उद्योग सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी। -गजानंद अग्रवाल , भाजपा नेता

महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कदम

बजट में महिलाओं के लिए सरकार ने विशेष फोकस किया है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कदम है। यह बजटमहिलाओं के उत्थान और विकास के लिए कारगर है।

-प्रमिला मान , खंड विकास पंचायत समिति वाइस चेयरमैन

विकास कार्यों को पंख लगेंगे

प्रदेश का बजट बेहद संतुलित व विकास कार्यों को गति देने वाला है। इसमें तय की गई योजनाओं को क्रियावित होने के बाद विकास कार्यों को पंख लग जाएंगे। कोई अकेला हलका नहीं पूरे प्रदेश का चहुंमुखी विकास होगा। उन्होंने बताया कि किसानों के हित में सरकार ने जो भूमि लवणीय होने के बाद बंजर हो गई थी। उसके सुधारीकरण की इस बजट में योजना तैयार की गई है। करीब एक लाख 40 हजार एकड़ लवणीय भूमि को खेती के लायक बनाया जाएगा।

-कपूर सिंह वाल्मीकि, विधायक बवानीखेड़ा

तोशाम को बड़ी सौगात मिली

यह बजट प्रदेश के इतिहास का सबसे संतुलित और जनहितैषी बजट है। इस बजट में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति (अंत्योदय) से लेकर किसान, युवा और महिलाओं तक, हर वर्ग के कल्याण का रोडमैप तैयार किया गया है। इस बजट में हरियाणा एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनने की ओर अग्रसर है। बजट मे तोशाम को बड़ी सौगात मिली है। इस बजट में प्रदेश के हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। बजट में सभी के लिए कुछ न कुछ अवश्य रखा गया है। यह बजट प्रदेश के विकास को चार चांद लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाला है।

-जयसिंह वाल्मीकि , भाजपा नेता

खबर संक्षेप

बिजली पेंशनर्ज की मासिक बैठक छह को

भिवानी। हरियाणा बिजली पेंशनर्ज वेलफेयर एसोसिएशन की जिला स्तरीय मासिक बैठक छह मार्च को प्रातः 10 बजे एक्सन सिटी प्रांगण में जिला प्रधान बालमुकुंद बापोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। एसोसिएशन के जिला महासचिव आरके चावला ने बताया कि जिसको एलटीसी नहीं मिली है वे अपना फार्म भरवा कर दें। बैठक में अपनी समस्याएं लिखित में लेकर आएं। उन्होंने बताया कि बैठक प्राप्त समस्याओं का अधिकारियों से मिलकर उनका समाधान करवाया जाएगा।

गांव जेवली में मुहंखुर बीमारी ने पैर पसारे

बाढड़ा। गांव जेवली में पशुओं में फैली बिमारी से तीन पशुओं की मौत हो गई है तथा अन्य पशु भी संक्रमित बताए जा रहे हैं। इससे पशुपालकों में भय का माहौल बना हुआ है तथा उन्होंने एसडीएम कार्यालय को मांगपत्र देकर मुआवजे की मांग की। जेवली निवासी पीड़िता किसान विरेन्द्र सिंह ने बताया कि उनके गांव में पिछले एक सप्ताह से मुहंखुर की बीमारीसे प्रभावित पशु पहले तो खाना बंद कर देते हैं और उपचार के बावजूद तुरंत दम तोड़ देते हैं जिससे किसानों में भय का माहौल बना हुआ है। एक तरफ तो पशुपालन विभाग आधुनिक चिकित्सा सुविधा देने का दावा कर रही है जबकी दूसरी तरफ अनेक पशु मुहंखुर नामक बिमारी से पीड़ित हैं और प्रशासन आंख बंद किए हुए है ।

तोशाम में आईएमटी निर्माण की घोषणा पर किरण समर्थकों ने खुशी जताई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

- शिक्षा-रोजगार को मिलेगा नया इंजन, विकास के अवसर पैदा होंगे
- सांसद किरण चौधरी और मंत्री श्रुति चौधरी का आभार जताया

प्रदेश की विधानसभा में सोमवार को जारी बजट में तोशाम क्षेत्र में आईएमटी की स्थापना करने की घोषणा करने पर राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी का आभार प्रकट करते हुए। क्षेत्र के विकास की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री ने बजट स्तर पर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी की स्थापना की घोषणा की है। दक्षिणी हरियाणा के भिवानी जिले को नए प्रोजेक्ट की मंजूरी मिलने पर कस्बे में इस फैसले का स्वागत करते हुए। भाजपा नेता मोतीराम जांगडा ने कहा कि संस्थान खुलने से तोशाम और आसपास के इलाकों में कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिलेगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के सतत प्रयासों से यह घोषणा संभव हुई है। आईएमटी स्थापित होने से उच्च शिक्षा के लिए युवाओं का पलायन कम होगा और क्षेत्र में शैक्षणिक माहौल सुदृढ़ होगा। क्षेत्र में जल संकट से निपटने और किसानों को स्थाई सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यापक योजना शुरू की जाएगी ।

माकपा ने इजराइल व अमेरिकी राष्ट्रपति के पुतले फूंके

- इजराइल व अमेरिका के इरान पर हमले एवं युद्ध थोपने के विरोध में माकपा ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सोमवार को माकपा ने शहर में रोष प्रदर्शन कर युद्ध तुरंत बंद करने की मांग को लेकर इजराइल के प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतान्याहू व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंका। मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला कमेटी ने इजराइल व अमेरिका द्वारा बिना कारण इरान पर एक तरफा हमला करने व युद्ध थौंपने की तानाशाही नीति का जमकर विरोध किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माकपा सचिव मंडल सदस्य सुखदेव पालुवास ने की। मंच संचालन जिला सचिव मंडल सदस्य करतार ग्रेवाल ने किया। इससे पहले पार्टी कार्यकर्ता सुबह पुराना बस स्टेंड पूर्वमंत्री ठाकुर बीरसिंह पार्क में एकत्रित हुए तथा सभा की। सभा व प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पार्टी जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश व सचिव मंडल सदस्य कामरेड अनिल कुमार ने कहा कि अमेरिका व ईरान की परमाणु मुद्दे पर तीन दौर की बात हो चुकी थी तथा ईरान अमेरिका को आश्वासन दे रहा था कि वह यूरेनियम का संवर्धन कर परमाणु ऊर्जा बना रहा है और इसका उपयोग हथियारों या मिसाईल बनाने के लिए युद्ध सामग्री के लिए नहीं किया जाएगा।

इजराइल और अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर एक तरफा मिजाइल हमला कर दिया और वहां के राष्ट्रपति अयातुल्लाह अली खामेनेई, उसके परिवार, रक्षामंत्री व सेना के 40 उच्च अधिकारियों का सरेआम कत्ल कर बहुत ही निंदनीय व घृणित कार्य किया है, इसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है।

भिवानी। प्रदर्शन कर इजराइल व अमेरिकी राष्ट्रपति के पुतले फूंकते माकपा कार्यकर्ता।

मजदूरों की मांगों का तत्काल समाधान करने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढडा

- आठ घंटे का कार्यदिवस सुनिश्चित करने की मांग

सेंटर ऑफ ट्रेड यूनियन (सीटू) ने राज्य कमेटी के आह्वान पर (आईओसीएल) पानीपत रिफाइनरी में जारी ऐतिहासिक हड़ताल के समर्थन में एसडीएम कार्यालय बाढडा में पहुंच कर विरोध प्रदर्शन करते हुए एसडीएम को केन्द्रीय श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान सीटू नेताओं ने मजदूरों की न्यायोचित मांगों का तत्काल समाधान करने की मांग की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीटू जिला सहसंयोजक सुमेर सिंह धारणी ने की। मजदूर एवं कर्मचारी नेताओं ने बताया कि आईओसीएल पानीपत रिफाइनरी के विस्तार कार्य में लगे लगभग हजारों ठेका मजदूर आंदोलनरत हैं। रिफाइनरी प्रबंधन द्वारा विभिन्न कंपनियों को दिए गए ठेकों के तहत मजदूरों का खुलेआम शोषण किया जा रहा है। इस लिए सीटू नेताओं ने मजदूरों के समर्थन में विरोध करते हुए। एसडीएम आशीष सांगवान को केन्द्रीय श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौपा। मजदूरों की मांगें हैं आठ घंटे का कार्यदिवस सुनिश्चित किया जाए, ओवरटाइम का विधिसम्मत भुगतान नियमित एवं समय पर वेतन कार्यस्थल पर शौचालय, पेयजल, कैंटीन सहित बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था नेताओं ने स्पष्ट कहा कि ये मांगें कोई अतिरिक्त सुविधाएं नहीं, बल्कि देश के प्रचलित श्रम कानूनों के तहत मिलने वाले मूल अधिकार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मजदूरों की जायज मांगों को बातचीत के माध्यम से हल करने के बजाय प्रशासन एवं प्रबंधन ने ठेकेदारों के साथ मिलकर आंदोलन को दबाने का प्रयास किया है। सीटू एवं किसान संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर सीटू जिला कमेटी सदस्य रोशन लाल, सुरेश कुमार जेवली, राजेंद्र बेरला, किसान सभा ब्लॉक प्रधान नसीब मोद, कामरेड रामपाल धारणी, किसान नेता भूप सिंह धारणी, ब्रह्मपाल बाढडा आदि मौजूद रहे।

सीटू व सकसं ने डीसी कार्यालय पर किया प्रदर्शन, श्रममंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

- संगठनों ने आईओसीएल पानीपत रिफाइनरी के आन्दोलनरत मजदूरों का किया सर्मथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सेंटर ऑफ इण्डियन ट्रेड यूनियन (सीटू) व सर्व कर्मचारी संघ ने राज्य कमेटियों के आह्वान पर तेल शोधक रिफायनरी पानीपत में चल रही पिछले एक सप्ताह से हड़ताल के समर्थन में प्रदर्शन किया और आन्दोलनकारी मजदूरों की मांगों का जल्द समाधान की मांग को लेकर केन्द्रीय श्रममंत्री के नाम उपायुक्त की मार्फत ज्ञापन भेजा। रोष प्रदर्शन की अध्यक्षता सीटू जिला प्रधान कुलदीप सिंह ने की तथा मंच संचालन सीटू सचिव कामरेड अनिल कुमार ने किया।

इस दौरान मजदूर व कर्मचारी नेताओं ने बताया कि आईओसीएल पानीपत रिफाइनरी के विस्तार कार्य में लगे 30000 ठेका मजदूर 23 फरवरी से आन्दोलनरत्त है। रिफाइनरी प्रबंधन द्वारा विस्तार के लिए परियोजनाओं का ठेका अलग-अलग कंपनियों को दिया है, जंहा मजदूरों के साथ भंयकर शोषण किया जा रहा है। आठ घण्टे काम, ओवरटाइम, नियमित वेतन भुगतान और कार्यस्थल पर शौचालय, पेयजल, कैंटीन आदि बुनियादी सुविधाएं बहाली की मांग उठाई थी।

बजट में लोगों को लगी निराशा हाथ : रामकिशन फौजी

भिवानी। पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि सीएम एवं वित्तमंत्री द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट में लोगों को निराशा ही हाथ लगी। बजट में न तो युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की कोई योजना की घोषणा की और न ही किसी दुकानदार व मजदूर तबकें को कोई छूट का प्रावधान किया गया। वे आज गांव बलियाली में लोगों से बजट को लेकर बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां तक कि बारिश के पानी से बर्बादी की कगार पर पहुंचे किसानों के लिए कोई आर्थिक मदद की घोषणा की गई।

कुलदीप पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन आयोग के ओएसडी बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाएंगे

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन आयोग में कुलदीप भारद्वाज को ओएसडी (मीडिया मामले) के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। नियुक्ति पर हर्ष जताते हुए कुलदीप भारद्वाज ने राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत शर्मा का आभार जताया और पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद भारद्वाज ने कहा कि वह संगठन ने जो जिम्मेदारी दी हैं, उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। उन्होंने भरोसा जताने एवं मीडिया मामलों की जिम्मेदारी सौंपने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हम मीडिया के माध्यम से पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। वर्तमान समय में बढ़ते जलवायु परिवर्तन के खतरों पर भी चर्चा की।

मुंढ़ाल में पशुचारा फैक्ट्री में लगी आग लाखों का मॉल जल कर हुआ राख

बवानीखेड़ा। मुंढ़ाल स्थित श्री श्याम पशु चारा भंडार फैक्ट्री में सोमवार को अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। लाखों रूपये का मॉल जल कर राख हो गया है। वहीं फैक्ट्री परिसर से धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और इसकी सूचना फैक्ट्री मालिक को दी। जानकारी देते हुए फैक्ट्री संचालक पुष्पजीत ने बताया कि सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने उन्हें फोन पर सूचित किया और मौके पर पाया तो फैक्ट्री में से धुंआ निकल रहा था। इसकी सूचना 112, पुलिस चैकी के जांच अधिकारी एवं अग्निशमन विभाग को भी सूचित किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर बड़ी मुश्किल से काबू पाया। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से संभावित बड़ा हादसा टल गया। फैक्ट्री संचालक पुष्पजीत की मानें तो फैक्ट्री की छत गिर गई जिससे मशीनरी व खल बनाने वाले मशीनें नष्ट हो गई जिससे उन्हें लगभग 15 लाख रुपये का नुकसान हो गया।

महाराजा नीमपाल सिंह तंवर की विरासत को किया नमन

भिवानी स्थापना दिवस पर 51 विभूतियों को किया सम्मानित

भिवानी। राष्ट्रीय सम्मान ट्रस्ट ने भिवानी स्थापना की 650वीं वर्षगांठ को महोत्सव के रूप में मनाया। सीनियर सिटीजन क्लब (आटा नीम चौक) में आयोजित कार्यक्रम में सर्वसमाज की संस्थाओं ने शिरकत कर अपनी ऐतिहासिक जड़ों को याद किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नेत्रपाल सिंह तंवर ने इतिहास के पन्नों को सांझा किया। उन्होंने बताया कि राजपूत महाराजा नीमपाल सिंह तंवर ने 26 फरवरी 1376 को डोभी तालाब (लोहड़ वीर मंदिर के समीप) पर हवन-यज्ञ के साथ भिवानी की स्थापना की थी। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 51 संस्थाओं और व्यक्तियों को सम्मानित किया।

इन्हें किया सम्मानित

इस दौरान अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट वेटरन महिपाल सिंह रुढ़ौल, बढ़लाव की पाठशाला के प्रणेता शिक्षक विनोद सिंह तिगड़ाना, 21 हजार किमी की यात्रा करने वाले साइकिलमैन नरेंद्र यादव और कारगिल योद्धा सतपाल सिंह, ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने वाले प्रगतिशील किसान महेंद्रपाल शर्मा व उनकी पत्नी, लाडो एक पहल के अध्यक्ष अमरदीप, दहेज विरोधी अभियान के कंवरपाल तंवर और गरीब कन्याओं का विवाह करवाने वाले गोपाल तंवर, अभिनेत्री मोनिका भारद्वाज, निर्देशक सज्जन परमार और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए महेश सम्मानित हुए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सैं.मी 10X 8 सैं.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

अपने सर्वस्व को गुरु को अर्पण कर दो: कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जन्मदिन का तो बहाना है, इंसान के जीवन का सबसे बड़ा दिन तो वो है जिस दिन उसे संतों की संगत मिले और सत्संग के बहाने से परमात्मा का गुणगान करने का मौका मिल जाए, अपने सर्वस्व को गुरु को अर्पण कर दो। जन्मदिन सांसारिक उमंग या खुशी का दिन तो है, लेकिन उससे बढ़कर ये चिंतन का दिन होता है। चिंतन का इसलिए क्योंकि हमारे अनमोल जीवन का एक और वर्ष कम हो जाता है, ये सत्संग वचन परमसंत सतगुरू कंवर साहेब महाराज ने भिवानी के रोहतक रोड स्थित राधा स्वामी आश्रम में फरमाए। हुजूर महाराज अपने 79वें जन्मदिन पर संगत को सत्संग वचन दे रहे थे।

उल्लेखनीय है कि दो मार्च को राधा स्वामी सत्संग दिनोद के संत हुजूर कंवर साहेब महाराज का जन्मदिन होता है। संगत इस दिन को हर्षोउल्लास से मनाती है। साध संगत ने पहले चरण में हुजूर महाराज का जन्मदिन मनाया और दूसरे चरण में गुरु महाराज ने सत्संग फरमाया। हुजूर साहेब ने फरमाया कि दिन प्रतिदिन हमारी सांस घंट रही है, इसलिए अपने अगत की चिंता करो। लम्बा जीवन आवश्यक नहीं है, बल्कि योग्य जीवन आवश्यक है। दो दिन का जीना भी नेकी का काम करवा दे तो लंबे जीवन का क्या करना। हुजूर महाराज ने कहा कि मनुष्य तीन तरीके से अपने कर्म बनाता है मनसा वाचा और कर्मणा। मन से किसी का अहित न करो, वचन से किसी को बुरा मत बोलो और कर्म करो तो परोपकार और भलाई के करो, जिस माया के आडंबरों में हम अपना सुख ढूंढकर उन्हें जोड़ते हैं, वो तो सब यहीं रह जाएंगे।

आज बो रहे हो कल आप वही काटोगे: कंवर साहेब

हुजूर ने चेताते हुए कहा कि आपको मानुष देह मिली है तो उसके लायक काम भी करो। ये जन्म संतों की संगत के लिए मिला था फिर दुर्जन के संग से इसे क्यों जाया कर रहे हो। मत भूलो कि आप जो आज बो रहे हो कल आप वही काटोगे। इंसान होकर इंसानीयत को मत भूलो। हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि जन्म दिन कैसा, क्योंकि बाहरी तौर पर तो हम जन्मदिन की खुशी मना सकते हैं, लेकिन ये भी कटु सत्य है कि हर जन्मदिन पर हमारा एक और मूल्यवान वर्ष व्यर्थ चला गया। चेतो और सन्त सतगुरू से अपने कर्म काटने की युक्ति सुझो।